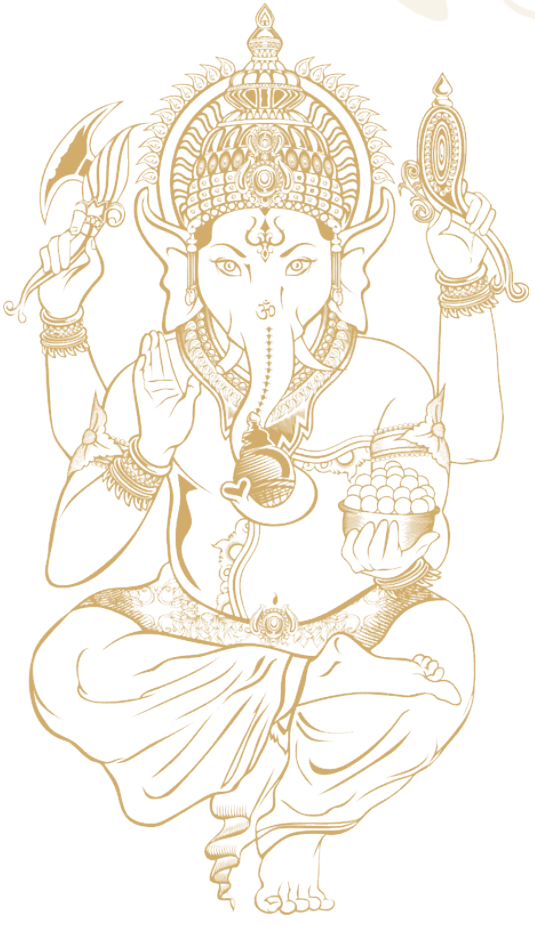

Nisha

01 Jun 1991

07:45 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121153102

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/06/1991**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:45:00 घंटे**
इष्ट	05:52:33 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:14:28 घंटे
वेलान्तर	00:02:19 घंटे
साम्पातिक काल	23:50:45 घंटे
सूर्योदय	05:23:58 घंटे
सूर्यास्त	19:32:49 घंटे
दिनमान	14:08:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	16:22:29 वृष
लग्न के अंश	18:35:22 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुक्ल
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढपली
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:35:22	312:52:36	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			वृष	16:22:29	00:57:30	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	25:42:27	11:47:23	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			कर्क	09:31:51	00:35:17	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध			मेष	28:47:02	01:47:20	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	सम राशि
गुरु			कर्क	15:16:11	00:09:28	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	01:11:28	01:02:05	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		मक	12:55:16	00:01:26	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु			धनु	25:37:31	00:00:01	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	नीच राशि
केतु			मिथु	25:37:31	00:00:01	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	19:19:52	00:01:54	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप	व		धनु	22:33:12	00:01:13	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	24:39:10	00:01:32	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			मीन	03:44:26	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:29

लग्न-चलित

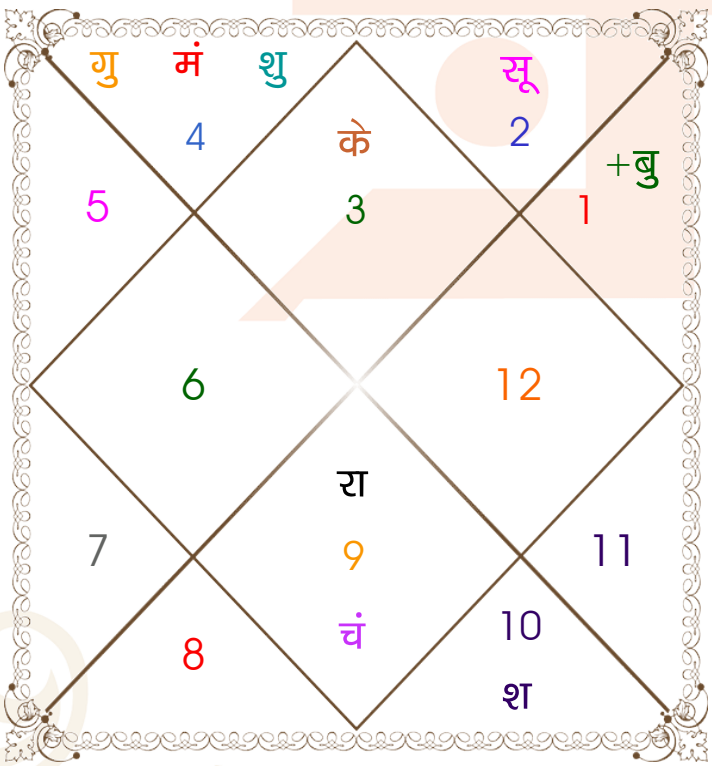

चन्द्र कुंडली

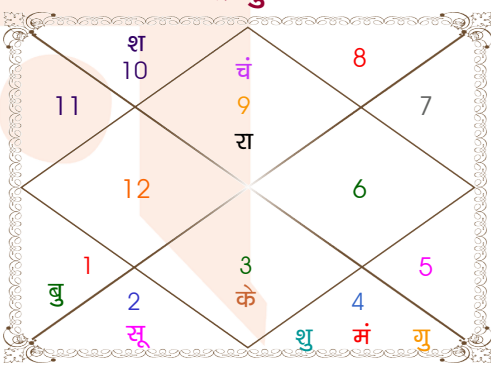

नवमांश कुंडली

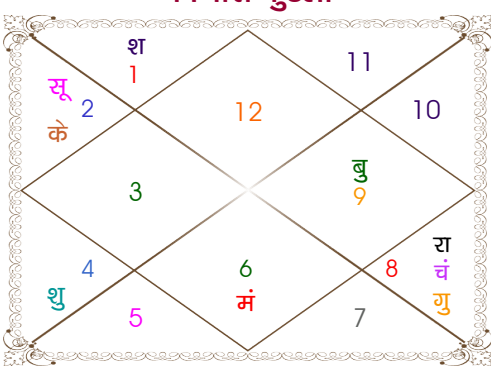

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 5 मास 8 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/06/1991		07/11/1992		08/11/1998		07/11/2008		08/11/2015	
07/11/1992		08/11/1998		07/11/2008		08/11/2015		08/11/2033	
	00/00/0000	सूर्य	25/02/1993	चंद्र	08/09/1999	मंगल	05/04/2009	राहु	21/07/2018
	00/00/0000	चंद्र	27/08/1993	मंगल	08/04/2000	राहु	24/04/2010	गुरु	14/12/2020
	00/00/0000	मंगल	01/01/1994	राहु	08/10/2001	गुरु	31/03/2011	शनि	21/10/2023
	00/00/0000	राहु	26/11/1994	गुरु	07/02/2003	शनि	09/05/2012	बुध	09/05/2026
	00/00/0000	गुरु	14/09/1995	शनि	07/09/2004	बुध	06/05/2013	केतु	28/05/2027
	00/00/0000	शनि	26/08/1996	बुध	07/02/2006	केतु	02/10/2013	शुक्र	27/05/2030
	01/06/1991	बुध	03/07/1997	केतु	08/09/2006	शुक्र	02/12/2014	सूर्य	21/04/2031
बुध	08/09/1991	केतु	08/11/1997	शुक्र	09/05/2008	सूर्य	09/04/2015	चंद्र	20/10/2032
केतु	07/11/1992	शुक्र	08/11/1998	सूर्य	07/11/2008	चंद्र	08/11/2015	मंगल	08/11/2033

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
08/11/2033		08/11/2049		07/11/2068		08/11/2085		07/11/2092	
08/11/2049		07/11/2068		08/11/2085		07/11/2092		00/00/0000	
गुरु	27/12/2035	शनि	10/11/2052	बुध	06/04/2071	केतु	06/04/2086	शुक्र	09/03/2096
शनि	09/07/2038	बुध	21/07/2055	केतु	02/04/2072	शुक्र	06/06/2087	सूर्य	09/03/2097
बुध	14/10/2040	केतु	29/08/2056	शुक्र	01/02/2075	सूर्य	12/10/2087	चंद्र	08/11/2098
केतु	20/09/2041	शुक्र	30/10/2059	सूर्य	09/12/2075	चंद्र	12/05/2088	मंगल	08/01/2100
शुक्र	21/05/2044	सूर्य	11/10/2060	चंद्र	09/05/2077	मंगल	08/10/2088	राहु	09/01/2103
सूर्य	09/03/2045	चंद्र	12/05/2062	मंगल	06/05/2078	राहु	26/10/2089	गुरु	09/09/2105
चंद्र	09/07/2046	मंगल	21/06/2063	राहु	23/11/2080	गुरु	02/10/2090	शनि	08/11/2108
मंगल	15/06/2047	राहु	27/04/2066	गुरु	28/02/2083	शनि	11/11/2091	बुध	02/06/2111
राहु	08/11/2049	गुरु	07/11/2068	शनि	08/11/2085	बुध	07/11/2092		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 5 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।